

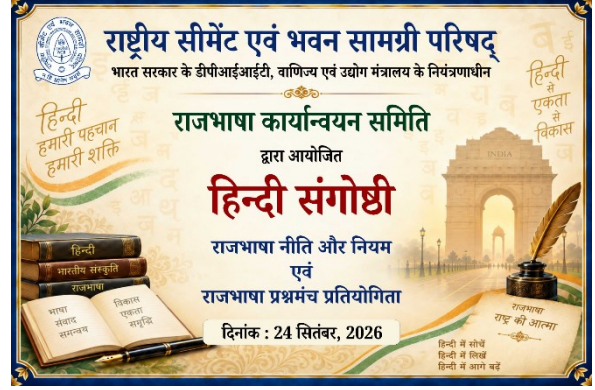


राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद् बल्लभगढ़

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

राजभाषा नीति और नियम विषय पर हिन्दी संगोष्ठी का आयोजन

राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन निर्माण सामग्री परिषद् (एनसीबी), राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा हिन्दी पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत दिनांक 24 सितम्बर 2026 को कार्यालय में “राजभाषा नीति और नियम” विषय पर हिन्दी संगोष्ठी एवं “राजभाषा प्रश्नमंच प्रतियोगिता” का आयोजन आदरणीय डॉ. संजीव कुमार चतुर्वेदी, सचिव-एनसीबी की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में डॉ. कपिल कुकरेजा, महाप्रबंधक एवं श्री अंकुर मित्तल, महाप्रबंधक की गरिमामयी उपस्थिति रही।



संगोष्ठी में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में आदरणीय श्री बाबू लाल मीना, उप-निदेशक (राजभाषा), हिन्दी अनुभाग, उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग, भारत सरकार ने गरिमामयी सहभागिता की। इस अवसर पर आदरणीय डॉ. संजीव कुमार चतुर्वेदी, सचिव-एनसीबी ने हिन्दी संगोष्ठी के लिए आमंत्रित मुख्य अतिथि एवं वक्ता श्री बाबू लाल मीना का सादर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

आदरणीय डॉ. संजीव कुमार चतुर्वेदी, सचिव-एनसीबी ने कहा कि हिन्दी संगोष्ठी का प्रमुख उद्देश्य राजभाषा नीति एवं नियमों की जानकारी प्रदान करने तथा कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिन्दी के प्रभावी, सहज एवं प्रगतिशील प्रयोग को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि राजभाषा संबंधी प्रावधानों के व्यावहारिक अनुपालन



को समझते हुए दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग को प्रोत्साहित करना भी संगोष्ठी का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।



डॉ. कपिल कुकरेजा जी, महाप्रबंधक ने अपने संबोधन कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिन्दी के अधिकाधिक एवं प्रभावी प्रयोग की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा प्रश्नमंच प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक सहभागिता हेतु प्रेरित करते हुए उनके उज्ज्वल प्रदर्शन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दी। श्री अंकुर मित्तल जी, महाप्रबंधक ने सभी

अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिन्दी के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रेरित किया।

आदरणीय मुख्य अतिथि श्री बाबू लाल मीना जी ने अपने ज्ञानवर्धक उद्बोधन में राजभाषा नीति एवं राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के प्रमुख प्रावधानों पर महत्वपूर्ण जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने विशेष रूप से नियम 3, नियम 8 एवं नियम 12 सहित अन्य प्रासंगिक प्रावधानों की जानकारी देते हुए उनके व्यावहारिक अनुपालन पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात, उनके मार्गदर्शन में राजभाषा प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।



संगोष्ठी के समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों से राजभाषा हिन्दी के प्रयोग एवं प्रचार-प्रसार



के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सुदृढ़ करने तथा आदरणीय मीना जी के मार्गदर्शन का अनुसरण करते हुए कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग का आग्रह किया गया। अंत में, श्री बाबू लाल मीना जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया और संगोष्ठी का सफलतापूर्वक समापन हुआ।